

प्रेषक,

संख्या: 1431/XXIV-3/17/03(22)2014

डॉ० भूपिन्दर कौर औलख,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून, दिनांक: 26 दिसम्बर, 2017

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुसूचित जाति उप योजनान्तर्गत रा0उ0मा0वि0 पोखरी, जनपद पिथौरागढ़ के भवन निर्माण कार्य हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक: 5ख2/22622/एस0सी0एस0पी0/2017-18, दिनांक: 01 नवम्बर, 2017 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान (एस.सी.एस.पी.) के अन्तर्गत रा0उ0मा0वि0 पोखरी, जनपद पिथौरागढ़ के भवन निर्माण कार्य हेतु कार्यदायी संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा गठित आंगणन की कुल औचित्यपूर्ण लागत रुपये 53.41 लाख के सापेक्ष शासनादेश सं0: 1674/XXIV-3/16/03(22)2014, दिनांक: 17 अक्टूबर, 2016 द्वारा प्रथम किश्त के रूप में स्वीकृत धनराशि रुपये 21.00 लाख का उपयोग कर लिये जाने के उपरान्त अवशेष धनराशि रु0 32.41 लाख को द्वितीय तथा अन्तिम किश्त के रूप में आपके निर्वतन पर रखते हुए नियमानुसार व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्नांकित शर्तों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 610/3(150)/XXVII(1)/2017, दिनांक: 30 जून, 2017 में उल्लिखित समस्त शर्तों/प्रतिबन्धों का अमुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. धनराशि आहरण एवं व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि वर्णित उपर्युक्त विद्यालय के अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र में स्थित है तथा योजना अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्राम की सीमान्तर्गत ही हो अथवा योजना से कम से कम 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति के बच्चों को शिक्षण सुविधा का लाभ मिल रहा हो।
3. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ़. रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
4. कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी आवश्यक होगी।
5. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय, जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
6. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मददेनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
7. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
8. विस्तृत आंगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

9. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219(2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

10. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारंभ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

11. स्वीकृत विस्तृत आंगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आंगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय।

12. कार्य की प्रगति की निरन्तर व गहन समीक्षा करते हुए कार्य को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। उक्त कार्य के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 475/XXVII(7)/2008 दिनांक: 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एमओओयू अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्यय में अनुदान संख्या 30 के अधीन लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा, खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय, 01-सामान्य शिक्षा, 202-माध्यमिक शिक्षा, 02-अनुसूजा0 के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान, 0201-अनुसूजा0 बाहुल्य क्षेत्रों में रा0हा0इ0कालेजों के भवनहीन भवनों का निर्माण, 24-वृहत निर्माण कार्य के अन्तर्गत उल्लिखित सुसंगत लेखाशीर्षक एवं प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।

भवदीया,

(डॉ० भूपिन्दर कौर औलख)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1431 / XXIV-3/17/03(22)2014, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
- 6- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 7- वित्त विभाग (अनुभाग-3)/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 8- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें 23-लक्ष्मी रोड, देहरादून।
- 9- एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- ✓ 10- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

h 14 h 1

(महिमा)

उप सचिव।

8